नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

कांग्रेस को संगठन तो मजबूत करना ही होगा

भारतीय राजनीति में संगठन की भूमिका केवल चुनावी ढांचे तक सीमित नहीं होती, बल्कि वही किसी भी दल की वैचारिक जीवटता, नेतृत्व की निरंतरता और कार्यकर्ताओं की राजनीतिक ऊर्जा को दिशा देता है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए इसी प्रश्न को उठाया, तस्वीर में लालकृष्ण आडवाणी कुर्सी पर बैठे हैं और नरेंद्र मोदी जमीन पर बैठे एक सामान्य कार्यकर्ता की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं.

दिग्विजय सिंह ने इस दृश्य को उदाहरण बनाकर लिखा कि संगठन की असली शक्ति इसी में निहित होती है कि एक साधारण कार्यकर्ता भी समय आने पर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सके. दिग्विजय सिंह का यह संकेत केवल अतीत की एक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि कांग्रेस के संगठनात्मक भविष्य को लेकर गंभीर आत्ममंथन का आग्रह प्रतीत होता है. आज जब राजनीति का स्वरूप चुनावी मैनेजमेंट और तात्कालिक गठबंधनों तक सिमटता दिखाई देता है, तब संगठन की बुनियादी मजबूती एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आती है. स्वयं कांग्रेस के भीतर भी अनेक वरिष्ठ नेता व पुराने कार्यकर्ता समय-समय पर इस चिंता को व्यक्त करते रहे हैं कि दल की सबसे बड़ी कमजोरी आज उसके जमीनी ढांचे की ढिलाई और कार्यकर्ता-नेतृत्व संवाद की कमी है. दिग्विजय सिंह के बयान का निहितार्थ इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए. उन्होंने न तो किसी व्यक्ति-विशेष की आलोचना की, न ही किसी गुटीय राजनीति को हवा देने का प्रयत्न. बल्कि यह संदेश देने की कोशिश की कि एक राष्ट्रीय दल के रूप में कांग्रेस के लिए मजबूत संगठन केवल चुनावी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भूमिका निभाने की पूर्व शर्त है.

भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में अनेक सशक्त राष्ट्रीय दलों का होना देश की एकता, संतुलन और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी जरूरी माना जाता है. ऐसे में एक सक्रिय, विचारधारा-संचालित और जमीनी स्तर पर जीवंत कांग्रेस का बने रहना राष्ट्रहित से जुड़ा प्रश्न है. स्वाभाविक है कि जब कांग्रेस के 'राष्ट्रीय नेतृत्व' की बात उठती है, तो नेहरू-गांधी परिवार का नाम सामने आता है. दिग्विजय सिंह का संकेत भी कहीं न कहीं इस दिशा में प्रतीत होता है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को संगठन के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से संभालनी होगी. केवल वैचारिक वक्तव्यों या राजनीतिक अभियानों से आगे बढ़कर संगठन को कार्यकर्ता-केन्द्रित, संवाद समर्थ और प्रशिक्षण आधारित ढांचे में परिवर्तित करना समय की मांग है.

आज की राजनीति में नेतृत्व का अर्थ केवल शीर्ष पदों पर बैठे चेहरे नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं की आवाज़ से भी है जो गांव, कस्बों और मोहल्लों में पार्टी की पहचान बनाते हैं. अगर कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा के साथ उभरना है, तो उसे अपनी जड़ों तक लौटते हुए उसी मॉडल को अपनाना होगा जिसमें संगठन कार्यकर्ता को अवसर देता है, उसे आगे बढ़ाता है और नेतृत्व को स्थायी बनाता है. इस दृष्टि से दिग्विजय सिंह की टिप्पणी किसी आलोचना की तरह नहीं, बल्कि एक रचनात्मक चेतावनी की तरह देखी जानी चाहिए. यह कांग्रेस के लिए आत्मविश्लेषण का अवसर है कि वह इतिहास की सबसे पुरानी राजनीतिक परंपरा के रूप में अपनी वैचारिक विरासत को संगठनात्मक मजबूती में कैसे बदलती है. क्योंकि अंततः मजबूत संगठन ही मजबूत विपक्ष और सशक्त लोकतंत्र की गारंटी होता है.

विन्ध्य की डायरी

कहीं सत्ता और संगठन के बीच तालमेल के लिए तो नहीं पहुंचे मुख्यमंत्री

डॉ रवि तिवारी

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का एक दिवसीय सतना प्रवास सिर्फ लोकार्पण और शिलान्यास तक सीमित नही था. जिले में पार्टी के भीतर चल रही उथल-पुथल को साधने की कोशिश भी थी. प्रवास में हर कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी जिले की अब तक घोषित नहीं हुई कार्यकारणी और जिला विकास समिति की अधूरी पड़ी गतिविधियों की ओर भी इशारा कर रही है.

जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच आपसी तालमेल के अभाव के कई किस्से स्थानीय स्तर पर पहले ही चर्चा में आ चुके हैं. जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री का भाजपा जिला कार्यालय जाकर जिला कोर ग्रुप की बैठक लेना,इसी का हिस्सा माना जा रहा है. अब देखना यह है कि आने वाले समय में किस निर्वाचित प्रतिनिधि को कितना महत्व मिलता है पर यह तय है कि पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय की कमी पार्टी के लिए कभी भी हानिकारक सिद्ध हो सकती है.

कांग्रेस दो फाड़ में

तमाम प्रयास के बाद भी कांग्रेस की गुटबाजी समाप्त होने का नाम नही ले रही है. संगठन में अनुशासन न होने के कारण नेता और पदाधिकारी अपनी ढ़पली अपना राग अलाप रहे है. हाल ही में ऊर्जाधानी में एक आदिवासी बैगा युवक के साथ वनकर्मियों ने मारपीट की और एफआईआर तक नही हुई. दो फाड़ में यहां कांग्रेस नजर आई. पीड़ित युवक को न्याय दिलाने के लिये कांग्रेस सडक़ पर उतर आई और जमकर विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह प्रदर्शन से नदारत रहे. कही न कही कोतवाली और चौकी प्रभारी के विरोध में नही खड़ा होना चाह रहे थे ऐसी चर्चा पार्टी के अंदर है. लिहाजा दो फाड़ में कांग्रेस देखने को मिली. पूरे मामले की जानकारी हाई कमान को भी दी गई है और अंदर ही अंदर कांग्रेसियो के बीच एक द्वंद भी शुरू हो चुका है. ऐसे में कांग्रेस संगठन कैसे मजबूती के साथ सत्ता पक्ष के आगे खड़ा हो पाएगा. जब आपसी द्वंद ही नही समाप्त हो रहा है.

...जब सांसद पुत्र की रोक दी गाड़ी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खेलो इंडिया और फिट इंडिया से प्रेरित सांसद कप खेल प्रतियोगिता पूरे जिले भर में उत्साह के साथ हुई. जहा खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. प्रतियोगिता का उद्देश्य भी खेल को बढ़ावा देना था पर समापन के दौरान विवाद की स्थित बन गई. स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स रीवा में विजेता खिलाडियो ने पुरस्कार राशि को लेकर जमकर हंगामा किया. यहां तक कि मेडल वापस कर दिये. कार्यक्रम से बाहर निकल रहे सांसद जनार्दन मिश्रा के पुत्र तथागत मिश्र उर्फ कबीर की गाड़ी रोक कर खिलाडियों ने अपनी भड़ास निकाली.

जारी सूची में बना दिया जनपद अध्यक्ष

भाजपा के अंदर भी अब अंधेरगर्दी शुरू हो चुकी है, लग रहा है कि संगठन के अंदर सब कुछ ठीक नही चल रहा है. सेमरिया नगर पंचायत में होने वाले चुनाव को लेकर जिलाध्यक्ष रीवा ने स्टार प्रचारको की जो सूची जारी की वह चर्चा की विषय बन गई. दरअसल जारी सूची के 13 वें नम्बर में जो नाम राजेश यादव का दिया गया उसके आगे जनपद अध्यक्ष का पद दर्शाया गया. जबकि वास्तव में वह जनपद अध्यक्ष रीवा के पति है न की खुद जनपद अध्यक्ष है. अब लोग कयास लगा रहे है कि कही न कही राजनीतिक कद बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है या फिर सूची में चूक हुई है.

दिग्गी राजा का पोस्ट | पीएम मोदी और संघ की तारीफ

दिलीप झा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने 14 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की कमान नितिन नबीन को सौंप कर देशभर के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं को और खासकर विपक्षी दलों को बहुत जबरदस्त संदेश दिया है कि इस तरह के फैसले सिर्फ और सिर्फ भाजपा में ही लिये जा सकते हैं और किसी दल में यह कतई संभव ही नहीं है. क्योंकि विपक्षी दलों को परिवारवाद की जड़ इतनी गहराई से जकड़े हुए हैं कि उनके फैसले उनके कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए रत्तीभर कारगर नहीं होते हैं. यह सर्वविदित है कि परिवारवाद के आकंठ में डूबा विपक्षी दल की राजनीति अभी भी वहीं तक सीमित है और उनकी परंपरागत रणनीति के खिलाफ उनके दल के भीतर से ही उनके ही वरिष्ठ नेता द्वारा आवाज उठने लगी है.

पिछले छह महीने से पूरे देश में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं. इसको लेकर बहुत सारे चैनल पर तो केवल शार्ट लिस्टिंग की खबरें चलने लगी थीं कि तीन नामों से ही किसी एक पर मुहर लगाई जा सकती है. इनमें धर्मेन्द्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान और भूपेंद्र यादव के नाम चल रहे थे. लेकिन राजनीति के पंडितों की अटकलें एक बार फिर पूरी तरह से फेल हो गई. दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 साल से अपने चौंकाने वाले फैसलों से न केवल देश की जनता का दिल जीता है बल्कि अपनी पार्टी की सांगठनिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने में अपार सफलता हासिल की है. इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि राजनीति के चाणक्य अमित शाह और मोदी की राजनीतिक जोड़ी ने पिछले चार दशकों से एक नया आयाम स्थापित कर बीजेपी को नई दृष्टि दी है. गृहमंत्री ने देश में शांति की बहाली की प्रतिबद्धता के साथ अपनी दूरदर्शी सोच से नक्सलियों को हथियार डालने का आह्वान किया और इसमें उन्हें भारी सफलता मिली है.

निस्संदेह मोदी और शाह के नेतृत्व वाली बीजेपी ने राजनीति के हीरे को पहचान कर उन्हें मुकाम तक पहुंचाया है. कुछ लॉबी इनके विरुद्ध रहे हैं लेकिन मोदी शाह की वर्किंग स्टाइल के आगे उनकी दाल कभी नहीं गली. वहीं लॉबी बीजेपी और आरएसएस के बीच दूरियां बनाने की

कोशिश में भी लगी रही लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली. इस बीच आरएसएस और भाजपा के सांगठनिक क्षमता की प्रशंसा करके मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस पार्टी के भीतर खलबली मचा दी है. क्योंकि एक ओर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र में यह बयान दिया था कि बीजेपी सरकार को संघ चलाता है और हर जगह अपने लोगों को बैठा रखा है, वहीं दूसरी ओर दिग्गी राजा की वह पोस्ट जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी और प्रियंका को टैग करके पुरानी तस्वीर जारी करते हुए लिखा है कि यह प्रभावशाली हैं. कैसे आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक, जनसंघ और भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर सीएम और पीएम बना. यह संगठन की शक्ति है. जय सिया राम. दिग्विजय सिंह मजे हुए राजनीतिज्ञ हैं. कुछ कहने का लहजा भी उनका निराला होता है.

उनकी पोस्ट की चर्चा देश-विदेश में होने लगी तो कुछ दिग्गज कांग्रेसी नेताओं ने उनके समर्थन में उतर आए. पूर्व मंत्री और वर्तमान सांसद शशि थरूर और पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने दिग्विजय सिंह की चिंता को सही ठहराया की कांग्रेस की सांगठनिक ढांचा दिनोंदिन गिरता जा रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है. मध्यप्रदेश कांग्रेस में भी सांगठनिक स्तर पर बहुत खामियां उजागर हो रही हैं. इसको लेकर हाल फिलहाल में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने जोरदार हंगामा भी किया है. इसका मतलब स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस के अंदर भी घमासान बरकरार है. बात ऊपर तक जा रही है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन पर लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में उनकी मूर्ति का अनावरण करते हुए कहा कि वह राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ युगदृष्टा व्यक्ति थे. भाजपा को संघर्ष से सत्ता शिखर तक पहुंचाने में हमारे तीन मूर्ति, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेई के त्याग का देश ऋणी है. राजनीति के जानकार बताते हैं कि मोदी पिछले 12 वर्षों से देश की जनता से राम और हनुमान की भक्तिभाव की तरह जुड़े हुए हैं. वे देश हित में समर्पित और भावविभोर तरीके से काम करते हैं, इसलिए ओछी राजनीति करने वालों से विचलित नहीं होते हैं. मोदी ने कहा कि भारत सुधार एक्सप्रेस पर सवार है और युवाओं को सशक्त बनाना इन सुधारों का लक्ष्य है.

(लेखक नवभारत भोपाल के संपादक हैं)

बच्चों के अपहरण की गंभीर समस्या

देश में मानव तस्करी या ह्यूमन ट्रैफिकिंग के 2018 से 2022 तक 10,659 मामले सामने आए हैं लेकिन इसमें सजा की दर सिर्फ 4.8 प्रतिशत रही. इस तरह काफी बड़ी तादाद में अपराधी कानून की पकड़ से बच निकलते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कर्नाटक से बच्चे का अपहरण करने के आरोपी की अपील ठुकरा दी. बच्चों के अपहरण व यौन शोषण के दोषियों को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए. हर बच्चे को शोषण से बचाव के लिए कानून व संवैधानिक संरक्षण दिया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा व जायमाल्या बागची की पीठ ने ऐसे संगठित अपराधी गिरोहों को लेकर चिंता व्यक्त की जो बच्चों का अपहरण करने, उन्हें बेचने व शोषण में लिप्त हैं. ऐसे मामले बहुत पकड़ में आते हैं और उनमें सजा की दर भी काफी कम है. सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों का अपहरण करने से संबंधित मामलों से निपटने के लिए अधीनस्थ अदालतों को मार्गदर्शन किया है व कहा है कि शोषण के शिकार का बयान यदि विश्वसनीय प्रतीत होता है तो वह अपराधी को सजा सुनाने के लिए पर्याप्त है. आशा है कि निचली अदालतें इस पर अमल करेंगी. बच्चों के अपहरण व तस्करी से संबंधित शिकायतों की तत्परता से जांच की जानी चाहिए. ऐसे गिरोह बच्चों के शोषण के अलावा उन्हें भीख मांगने, बंधुआ मजदूर बनाने, अपराध की दुनिया में ढकेलने का काम करते हैं. ऐसे प्रकरणों में सरकार व सिविल सोसाइटी को भी जिम्मेदारी निभानी होगी. ऐसे बच्चों को अपहरणकर्ता गिरोह के चंगुल से बचाने और पुनर्वास का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है. पुलिस को बस अड्डा, टोल नाका व रेलवे स्टेशन पर गुप्तचरों के माध्यम से निगरानी रखनी होगी और संदिग्ध मामले में तत्काल कार्रवाई करनी होगी. इसमें जरा भी विलंब करने पर अपराधी बच निकलते हैं. डेटा, डिजिटल माध्यम व सीसीटीवी से अपराधियों पर कड़ी नजर रखनी होगी. यदि ट्रेन या वाहन में भी कोई बच्चा अनजान लोगों के बीच डरा-सहमा नजर आए तो लोग तत्काल पुलिस को सूचित करें. सिर्फ कानून बन जाने से किसी की रक्षा नहीं होती, इसके लिए तत्परता से कार्रवाई करनी होती है. इसके लिए बच्चों व अभिभावकों भी सतर्क करना होगा. गरीबी की वजह से भी बच्चे असुरक्षित हो जाते हैं.

बच्चों के अपहरण व तस्करी से संबंधित शिकायतों की तत्परता से जांच की जानी चाहिए. ऐसे गिरोह बच्चों के शोषण के अलावा उन्हें भीख मांगने, बंधुआ मजदूर बनाने, अपराध की दुनिया में ढकेलने का काम करते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सुप्रिया हैं समंदर की मछली पुणे में हुई हालत पतली

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, शरद पवार की बेटी व राकांपा सांसद सुप्रिया सुले के एक बयान ने पुणे की राजनीति में तूफान ला दिया. पार्टी के पुणे शहराध्यक्ष प्रशांत जगताप के इस्तीफे से वहां की राजनीति पर पड़नेवाले असर के बारे में पूछे जाने पर सुप्रिया झल्ला गईं. उन्होंने फटकारते हुए कहा कि तुम लोगों को डबके (पानी भरे छोटे गड्ढे) में रहने का बहुत शौक है. मैं समंदर की मछली हूं. पुणे शहर और उसकी राजनीति पर बहुत चर्चा हो चुकी है. इस दुनिया में बात करने के लिए और भी बहुत कुछ है.'

हमने कहा, 'शरद पवार, अजीत पवार, सुप्रिया सुले की राजनीति का केंद्रबिंदु बारामती और पुणे ही है लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में सांसद होने की वजह से सुप्रिया खुद को समंदर की मछली मानने लगी हैं. वह अपना व्यापक दायरा बताना चाहती हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज समंदर की मछली व्हेल, शार्क, कॉड, जेली फिश, स्टार फिश हुआ करती हैं. सुप्रिया इनमें से कौन हैं? इस बयान से हमें वह बालगीत याद आता है- भरा समंदर, गोपीचंदर,

बोल मेरी मछली कितना पानी!'

हमने कहा, 'समंदर के पानी के समान सुप्रिया का बयान भी खारा है. उसमें जरा भी मिठास नहीं है.'

हमने कहा, 'दुबई में ऐसे संयंत्र लगे हैं जिनमें समुद्र के खारे पानी कोमीठा बनाया जाता है. इस प्रक्रिया को डिसैलनाइजेशन कहते हैं. मछली का महत्व इस बात से समझिए कि भगवान विष्णु ने स्वयं मत्स्यावतार लिया था और प्रलय के समय महाराजा मनु की विशाल नौका को खींचकर ऊंचाई पर सुरक्षित ले गए थे. कुछ ऐसी ही कहानी बाइबिल में नोआज आर्क नाम से है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल जैसे समुद्र तट वाले राज्यों में मछली बहुत खाई जाती है. इनमें पाम्फ्रेट, रोहू, कतला, ट्राउट, मैकरेल, हेरिंग, हेलीबट, ट्यूना, बासा आदि का समावेश है. बच्चों को पोषण के लिए कॉड लिवर आइल या शॉर्क लिवर आइल या उसकी कैप्सूल देते हैं. आप चाहें तो गा सकते हैं- मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है, हाथ लगाओ डर जाती है, बाहर निकालो मर जाती है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12126 - डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. लायक पुत्र, योग्य एवं अच्छा पुत्र 2. उंगलियों में दबाकर रगड़ना, जोर से दबाना 3. राजा उग्रसेन का पुत्र जिसका वध कृष्ण ने किया था 4. दलाल का कार्य, इस कार्य की उजरत 6. एक भाषा का दूसरी भाषा में किया हुआ अनुवाद, तर्जुमा 10. अयोग्य 11. गंध देना, बास आना 13. गीत गाने का सुंदर ढंग, संगीत में ताल का ठीक होना 14. समान, तुल्य, बराबर का 16. क्षमा करना 18. अंत:पुर, जनानखाना (उर्दू) 20. बड़ा नगर, पुर (उर्दू) 23. प्राप्त करना, हासिल करना 24. अल्प, थोड़ा (उर्दू)

बाएं से दाएं

1. उजबेक (सोवियत) प्रजातंत्र का एक सूबा 5. आभा, दीप्ति, सूर्य की एक पत्नी 7. अगहन के बाद और माघ के पूर्व का महीना 8. धातु निर्मित छोटी और पतली तीली 19. कड़कड़ाते हुए घी या तेल में डालकर पकाना 11. न, नहीं, सम्मति, राय 12. वह प्रणाली अथवा जलमार्ग जिसमें वर्षा का पानी बहता है, गंदे जल का बहने का मार्ग 13. हिलोर, तरंग 15. कुबेर (सं.) 17. किसी विशिष्ट कार्य के लिए बनाया हुआ विभाग (उर्दू) 19. बर्बादी, अस्तित्व न रह जाना 21. हाथ, महसूल 22. अपवित्र, मैला-कुचैला 25. शक्ति, सामर्थ्य 26. प्रसिद्ध (उर्दू)

Solution 12125

म	म	ता	ब	न	जीं	■	आ
ह	■	क	स	क	■	को	ई
त्व	रि	त	■	सी	मां	त	■
■	क्त	■	प	र	■	वा	जी
अं	ता	क्ष	री	■	सु	ल	भ
ध	■	■	क्षा	ल	त	■	■
का	फि	र	■	क	सा	व	ट
र	■	ब	ल	वा	न	■	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में चिन्ताओं से छुटकारा मिलेगा. राज्य, सम्मान की प्राप्ति होगी. गृहकार्यों में व्यस्तता रहेगी. धन लाभ का योग है. मन में प्रसन्नता रहेगी. वर्ष के मध्य में यात्रा का योग है. व्यय में कमी तथा व्यापार में सुधार होगा. रोजगार में सफलता मिलेगी. भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ होगा. वर्ष के अन्त में व्यवहार कुशलता बढेगी. मित्र के कारण कार्यो में व्यवधान आयेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भाईयों से राजनैतिक लाभ होगा. घरेलू कार्यो में व्यस्तता रहेगी. धन लाभ का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यय में कमी तथा व्यापार में सुधार होगा. रोजगार के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को व्यापार में ऊहापोह की स्थिति निर्मित होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मन में विशेष प्रसन्नता रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को साहसिक पराक्रम में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल, दयालु, सामाजिक, एवं क्रोधी प्रवृत्ति का होगा, नौकरी में उच्च पद प्राप्त करेगा, कार्यो में रूचि रहेगी, ईश्वर के प्रति आशावान होगा, कृषि कार्यो का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

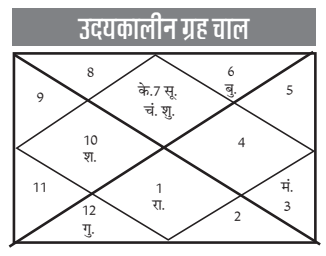

पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2082 पौष शुक्ल एकादशी भौमवासरे रात 1/13, भरणी नक्षत्रे रात 12/51, सिद्ध योगे रात 10/31, वणिज करणे सू.उ. 6/47, सू.अ. 5/13, चन्द्रचार मेष रातअंत 6/26 से वृषभ, पर्व-पुत्रदा एकादशी व्रत, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

पौष शुक्ल एकादशी को भरणी नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, गेहूँ, चना, चांवल, मटर, सोना, चांदी, में तेजी की चाल चलेगी, गुड़, खांड, ज्वार, बाजरा, धनियां, के भाव में मंदी होगी. भाग्यांक 5689 है.

मेष- वाणी की कठोरता से घर में अशांति हो सकती है, कोई विशेष समाचार मिलने का योग है, संतान की चिन्ता रहेगी, नियम संयम से कार्य करना लाभदायक रहेगा.

वृषभ- कार्यक्षेत्र में आ रही दिक्कतें, दूर हो सकती हैं, छोटे-मोटे झगड़े बड़े विवाद का रूप ले सकते हैं, नौकर चाकरों का सुख मिलेगा, शुभ सूचना मिलेगी.

मिथुन- परिचितों के कारण काम में मुश्किल आ सकती हैं, आर्थिक कार्यों में सफलता मिलेगी, मित्रों का सहयोग रहेगा, भावुकता पर नियंत्रण रखें.

कर्क- पारिवारिक परेशानी दूर होने से राहत महसूस करेंगे, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, कुछ जरूरी कामकाज बनने का योग है, नवीन कार्यों में सफलता मिलेगी.

सिंह- विरोधियों की चालें सामने आने से नुकसान से बच जायेंगे, आशा से अधिक खर्च होगा, मानसिक अशांति रहेगी, अनियमितता का अनुभव होगा.

कन्या- आवश्यक कार्य की प्राथमिकता के साथ निपटने का प्रयत्न करें, अन्यथा मुश्किल होगी, राजकीय क्षेत्र में पद प्रतिष्ठा बढेगी.

तुला- वैभव के सामान पर बड़े खर्च की संभवना बनेगी, नौकरी संबंधी कार्यों में सफलता के योग हैं, समय के स्वरूप को देखकर कार्य करें.

वृश्चिक- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं, विवादास्पद मामले सुलझ सकते हैं, मानसिक प्रसन्नता रहेगी, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा, कारोबार में ध्यान रखें.

धनु- दूसरों के कार्य में दखल से बचें,अपमान हो सकता है, अनावश्यक खर्च पर अंकुश रखे, अन्यथा आगे चलकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

मकर- अधूरी योजना फिर से शुरू होगी,बुजुर्गो के मार्गदर्शन से लाभ होगा, पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा, नये कार्यों की रूपरेखा बनेगी.

कुम्भ- पारिवारिक आयोजन प्रसन्नतादायक रहेंगे, यश प्राप्त होगा, जीवनसाथी का सहयोग रहेगा, नवीन योजना बनेगी. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे.

मीन- आपसी तालमेल लाभदायक रहेगा, कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता मिलेगी, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, पुकुम्भ समस्या हल होगी.

SUDOKU 7258

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7257

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6